Regarding conservation of tigers in Ranthambore National Park in Tonk-Sawai Madhopur Parliamentary Constituency, Rajasthan-Laid

श्री हरीश चंद्र मीना **(**टोंक**-**सवाई माधोपुर**) :** मैं सरकार का ध्यान देश के वन्यजीव संरक्षण की गंभीर स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । मेरे संसदीय क्षेत्र टोंक - सवाई माधोपुर राजस्थान में स्थित विश्व प्रसिद्ध रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान से पिछले 10 वर्षों में 29 बाघ लापता हो चुके हैं । यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारी वन्यजीव संरक्षण नीतियों की असफलता का प्रमाण है । 2006 में शुरू किया गया ?प्रोजेक्ट टाइगर? आज अनियमितताओं, कुप्रबंधन और लापरवाही का शिकार है । रणथंभौर के बाघ कहां गए? क्या वे शिकारियों के हाथ लगे? क्या वे अवैध वन कटाई और अतिक्रमण के कारण विस्थापित हुए? सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है । बाघ केवल एक जानवर नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण और जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं । यदि सरकार आज नहीं जागी, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे सवाल पूछेंगी कि हमने भारत के राष्ट्रीय पशु को बचाने के लिए क्या किया? सरकार जवाब दे?रणथम्भौर के बाघ कहां गए?